फोटो - जय स्टूडियो, अमरावती.

समाज एवं महाराष्ट्र के लिए समर्पित अजित अध्याय की समाप्ति

उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय अजित पवार को सर्वदलीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम

स्पष्ट वक्ता थे अजित पवार-कारंजेकर बाबा

कारंजेकर बाबा ने कहा कि वह एक जनसेवक थे. स्पष्ट वक्ता रहना उनकी विशेष खूबी रही. इन सभी गुणों को हमें अपनाना चाहिये. मेरा कई बार दादा से संबंध आया. आज सुनेत्रा पवार के रूप में दादा को फिर एक बार जीवित होता देख रहे हैं. हमे संबल देना होगा और इस परिवार को दुख से उभरने के लिये ईश्वर बल दें यह प्रार्थना उन्होंने की.

डॉ. कमलताई गवई ने निर्वाण गाथा गाते हुए अजित पवार परिवार से उनका रिश्ता मार्मिक भाव के साथ व्यक्त किया.

श्रीचंद तेजवानी, उपमहापौर सचिन भेंडे, शिवसेना उबाठा के पूर्व सांसद अनंत गुढे, पराग गुडधे, शिंदे सेना पूर्व विधायक ज्ञानेश्वर धाने पाटील, नानकराम नेभनानी, प्रीती बंड , भाजपा जिलाध्यक्ष रविराज देशमुख, किरण पातुरकर , तुषार भारतीय, शिवराय कुलकर्णी , चेतन गावंडे, निवेदिता दिघडे, प्रा. दिनेश सूर्यवंशी, कांग्रेस महासचिव किशोर बोरकर, रामेश्वर अभ्यंकर, हरिभाऊ मोहोड, कांचनमाला गावंडे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुरेखा ठाकरे, संतोष महात्मे, अविनाश मार्डीकर, प्रशांत डवरे, रीना नंदा, यश खोडके, सुनील वहाडें, संगीता ठाकरे, महाराष्ट्र ओलम्पिक संगठन के एड. प्रशांत देशपांडे, शिवाजी शिक्षण संस्था के हेमंत काळमेघ, दादासाहेब गवई चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष कीर्ति अर्जुन, रिपाई आठवले गट प्रकाश बनसोड, पीरिपा के चरणदास इंगोले, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना जिलाध्यक्ष धीरज तायडे, जिला ऑटो यूनियन अध्यक्ष नितिन मोहोड , जिजाऊ बैंक अध्यक्ष अविनाश काठोळे, दिगंबर जैन महासमिति अभिनंदन पेंढारी, माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष सुरेश साबू, भारतीय विद्या मंदिर महासचिव अनंत सोमवंशी, जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के सौरभ मालाणी, भाजपा के आशीष अतकरे, राधा कुरील, ललित समदुरकर, जयंत डेहनकर, सुनील वहार्डे, कौशिक अग्रवाल, पप्पू पाटील, किरणताई महल्ले, सुरेखा लुंगारे, विकी शर्मा, आशीष धमार्ले, रतन डेंडुले, मिलिंद बांबल, अनिता काळे, प्राध्यापक संजय तीरथकर, डॉक्टर संजय शिरभाते, डॉक्टर गणेश खारकर, स्मिता सूर्यवंशी, प्रवीण हरमकर, प्रशांत वानखडे, सचिन रासने, सुनील काळे, मंगेश मनोहरे, गणेश रॉय, अरविंद गावंडे, शरद तसरे, नरेश पाटील, प्राध्यापक रवींद्र खांडेकर, मोहन पावडे, अश्विन चौधरी, गजू लोखंडे, पराग गुडधे के साथ बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के एवं सामाजिक संगठनों के *शेष पृष्ठ 2 पर*

परिवार का मुखिया चला गया- खोडके

संजय खोडके ने दादा के साथ बिताए हुए कई पलों को उजागर करते हुए कहा कि आज से एक माह पूर्व मनपा चुनाव के लिए दादा अमरावती आए थे. वर्ष 1995 से मैं दादा के संपर्क में आया उनके कारण हमेशा ही मेरा विश्वास बढ़ता गया. जब किस मीटिंग में वे शरद पवार साहब के किसी प्रस्ताव पर विरोध व्यक्त करते थे तब कई बार मुझे ऐसा लगता था कि वह गलत कर रहे हैं, लेकिन उनका मानना था कि अगर कुछ गलत हो रहा है तो उसे तुरंत ही बोल देना चाहिए, वरना मन में मलाल रह जाता है. 1999 और 2004 में जब वे जल संपदा मंत्री बने तब उन्होंने महाराष्ट्र के हर गांव कस्बे को अपनी यात्रा के माध्यम से पहचानने की कोशिश की थी. उन्होंने हमेशा ही कहा था कि कुछ बातें जीवन में ऐसी होनी चाहिए जो खुद तक ही सीमित रहे वह जब दूसरों तक पहुंचती है तो उसका महत्व कम होता ही है. साथ ही कई बार ऐसी बातें हमारे लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है. उनकी ऐसी ही कुछ बातें मेरे जीवन में विशेष घर कर गई और आज जब वह हमारे बीच नहीं है. 28 जनवरी की उस घटना को जब हम याद करते हैं तो मानो दिल की धड़कन बंद हो जाती है. हमारे लिए वह केवल अजित दादा नहीं थे बल्कि परिवार का मुखिया थे जो आज हमारे बीच नहीं है. जिस समय उनकी अंतिम यात्रा निकाल रही थी उस समय मैंने प्रफुल्ल पटेल और बारामती के कुछ पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा था कि अजित दादा ने समाज के कितने लोगों को जोड़ा है, यह आज उनके अंतिम दर्शन को उपस्थित लोग और उनके नाम आंखें बता रही है. आज उनकी 13वीं है और इसी दिन अमरावती में भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. यह सबसे बड़ी बात है यह कहते हुए उनकी कई बार आंखें नम और आवाज में भारीपन सुनाई दे रहा था.

पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे का प्रतिपादन

प्रतिनिधी प्रतिदिन अखबार

अमरावती 9 फरवरी - उपमुख्यमंत्री रहे अजित दादा पवार की समाज में एक अलग छाप थी. उन्होंने हमेशा ही लोगों को राजनीति और समाजनीति में किस प्रकार की भूमिका अपनाना नहीं चाहिये इसे लेकर जीवन ज्ञान दिया था. मैं भी उनका एक शिष्य रहा हूं जिसके कारण वर्ष 1994 से अब तक मेरे जीवन में उनकी अहम भूमिका रही है. वर्ष 2047 के विकसित महाराष्ट्र की संकल्पना को साकार करने के लिए अजित दादा पवार जैसे व्यक्ति की आवश्यकता थी, लेकिन समय में ऐसा चक्र पलटा कि आज समाज और महाराष्ट्र को समर्पित जीवन समाप्त हुआ, ऐसा महसूस होने लगा है. उक्त संवेदनाएं पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने स्थानीय संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन के लॉन में आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान व्यक्त की. इस कार्यक्रम का आयोजन सोमवार, 9 फरवरी को किया गया था.

इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय महानुभाव परिषद अध्यक्ष महंत मोहनदास कारंजेकर बाबा, समाधा आश्रम के डॉ. संतोष महाराज नवलानी, पूर्व मंत्री प्रवीण पोटे पाटील, पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख, विधायक संजय खोडके, पूर्व लेडी गवर्नर डॉ. कमलताई गवई, विधायक सुलभा खोडके, विधायक प्रताप अडसड, विधायक रवि राणा, विधायक राजेश वानखडे, विधायक प्रवीण तायडे , विधायक गजानन लवटे, महापौर

विकसित महाराष्ट्र बनाने का सपना देख रहे थे दादा-बावनकुले

इस कार्यक्रम में पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने कहा कि 1994 से मैं अजित दादा के साथ में रहा हूं. उनका और मेरा रिश्ता 32 साल पुराना है. महायुति की सरकार विकसित महाराष्ट्र का जो सपना देख रही थी उसमें अजितदादा एक अष्टपहलू नेता के रूप मे काम कर रहे थे. उनका जीवन हमेशा ही संघर्षमय रहा है. मैंने उनके साथ दस वर्षों तक जिला परिषद और लंबे समय तक विधिमंडळ में विधायक के रूप में कार्य किया. उन्होंने मुझे समाज नीति और राजनीति में अपनी भूमिका को लेकर सीख दी थी. साथ ही हस्ताक्षर का इस्तेमाल कब और कहां करना चाहिए, यह भी सिखाया था. उन्होंने हमेशा ही कार्यकताओं के जीवन को बदलने का प्रयास किया. विपक्ष नेता के रूप में भी उन्होंने कभी भी किसी को नीचा दिखाने की कोशिश नहीं की. वो कितने दिन जिये इसका महत्व नहीं है बल्कि वह किस तरह जीवन व्यतीत कर हमारे बीच से चले गये हैं वह महत्वपूर्ण है. उनकी पहचान हमेशा ही जनसेवक के रूप में रही है. विभिन्न योजनाएं बनाकर समाज संस्कृति और संस्कार का जतन करते हुए लोगों को बेहतर देने की कोशिश उनमें रही. जिस समय उनके निधन के समाचार टीवी पर झलक रहे थे तो सभी की आंखें नम हो चुकी थी. आज भी जब हम मंत्रालय के उस चेंबर के सामने पहुंचते हैं तो उनका चेहरा नजर आता है और पुरानी बातें और यादें अपने आप ही सामने आती हैं. उन्होंने हमेशा ही गरीबों के दाता के रूप में काम किया है. लोगों की गलतियों को सुधार कर उन्हें मनुष्य बनाने की उन्होंने कोशिश की हैं. भले ही महायुती में हमारे बीच मतभेद रहे लेकिन मनभेद कभी नहीं रहे. आज सुनेत्रा पवार के रूप में उनकी यादें हमारे आसपास ही हैं. वे अपने पति की विचारधारा को महाराष्ट्र के विकास के लिये हमेशा ही जीवित रखने का प्रयास करेंगी. हमें भी अब अपने दिल पर पत्थर रख कर आगे बढना होगा और दादा के विचारों को पहचाना होगा. साथ ही दादा का सपना हमेशा सामने रहता है और समाज कल्याण के लिए आगे बढ़ना है. इस समय अपने पुत्री के विवाह का प्रसंग बताते हुए पवार परिवार का उन्हें किस प्रकार संयोग मिला यह भी उन्होने चंद शब्द में व्यक्त किया.

बाइक चोरी करने वाले 3 शातिर गिरफ्तार

चोरी के 3 मामले सुलझाए, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती. शहर में बढ़ती मोटर साइकिल चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए पुलिस आयुक्त राकेश ओला ने अपराधों का खुलासा करने के निर्देश दिए थे. इसी के तहत क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मोटर साइकिल चोरी करने वाले 3 शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से 3 चोरी की मोटर साइकिलें बरामद की गई हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले फ्रेजरपुरा थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी का मामला दर्ज किया गया था. मामले की जांच के दौरान तकनीकी जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यह चोरी साजिद उर्फ शाहरूख पी. मन्सूर खान ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी. इसी दौरान आरोपी के कैंप परिसर में मौजूद होने की गुप्त सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच टीम ने जाल

बिछाकर उसे हिरासत में लिया. पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथियों के साथ अमरावती शहर में कुल 3 मोटर साइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देने का अपराध स्वीकार किया. इसके बाद आरोपियों के पास से चोरी का माल जब्त कर 3 चोरी के मामले सुलझाए गए. इस मामले में पुलिस ने आरोपी साजिद उर्फ शाहरूख (30, रहमतपुरा), मोहम्मद नईम मोहम्मद कलीम (25,गवलीपुरा) और शेख इरफान उर्फ भुरया पी. शेख मन्सूर (30, सादीया नगर) को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त राकेश ओला के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक संदीप चव्हाण, पुलिस निरीक्षक सीमा दाताळकर के नेतृत्व में सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल कडु, विकास गुळधे, निखिल गेडाम, सागर ठाकरे, योगेश पवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. पुलिस ने बताया कि आरोपियों से आगे पूछताछ जारी है और अन्य चोरी के मामलों के भी खुलासे की संभावना है.

नानकराम भाटिया का स्वर्गवास, अंत्येष्टि आज

अमरावती, 9 फरवरी- स्थानीय शिवशंकर नगर (विजया कॉन्वेंट के पास) अकोली रोड निवासी व खत्री हाईस्कूल कंवर नगर के पूर्व मुख्याध्यापक व एड.महेंद्र भाटिया के पिताजी नानकराम भाटिया का स्वर्गवास सोमवार 9 फरवरी को हो गया. उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार 10 फरवरी की सुबह 11.30 बजे निवासस्थान से निकाली जाएगी व शंकर नगर स्थित संत कंवरराम मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा.

सौ.नंदा वाठोडकर का स्वर्गवास,अंत्येष्टि आज

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार

अमरावती, 9 फरवरी- स्थानीय साबनपुरा इंद्रभुवन परिसर निवासी व एलआईसी एजेंट प्रमोद वाठोडकर की धर्मपत्नी सौ.नंदा वाठोडकर का स्वर्गवास सोमवार 9 फरवरी को हो गया. उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार 10 फरवरी की सुबह 10 बजे निवासस्थान से निकाली जाएगी व हिंदू मोक्षधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा.